

TYBA COACHING CENTRE | टी वाई बी ए कोचिंग सेंटर

Contact / WhatsApp: 6367029449 • NCERT Class 10 Social Science (SST — Geography) Complete Bilingual Study Notes & Textbook Solutions

Chapter 1: Resources and Development

अध्याय 1: संसाधन एवं विकास — संपूर्ण नोट्स एवं प्रश्नोत्तर हल

1.1 Concept of Resource, Sustainable Development, Rio Summit 1992 & Resource Planning (संसाधन, सतत पोषणीय विकास, रियो सम्मेलन 1992 एवं संसाधन नियोजन)

[EN] Everything available in our environment which can be used to satisfy our needs, provided it is technologically accessible, economically feasible, and culturally acceptable, is termed a 'Resource'.

[HI] हमारे पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रयुक्त की जा सकती है और जिसको बनाने के लिए प्रौद्योगिकी उपलब्ध है, जो आर्थिक रूप से संभाव्य तथा सांस्कृतिक रूप से मान्य है, एक 'संसाधन' है।

Topic / संकल्पना	Key NCERT Facts & Explanations (English)	प्रमुख एनसीईआरटी तथ्य एवं विवरण (हिंदी)
1. Interdependent Triangle & Classification (अंतर्संबंध एवं वर्गीकरण)	Human beings interact with Nature through Technology and create Institutions to accelerate economic development. • On the basis of Origin: Biotic (living — flora, fauna, fisheries) & Abiotic (non-living — rocks, metals). • On the basis of Exhaustibility: Renewable / Replenishable (solar, wind, water, forests) & Non-Renewable (minerals, fossil fuels). • On the basis of Ownership: Individual, Community, National (up to 12 nautical miles / 22.2 km territorial sea), & International (beyond 200 nautical miles Exclusive Economic Zone). • On the basis of Status of Development: Potential, Developed, Stock, & Reserves.	मानव प्रौद्योगिकी द्वारा प्रकृति के साथ क्रिया करते हैं और अपने आर्थिक विकास की गति को तेज करने के लिए संस्थाओं का निर्माण करते हैं। • उत्पत्ति के आधार पर: जैव तथा अजैव संसाधन। • समाप्यता के आधार पर: नवीकरणीय योग्य (सौर, पवन, जल) तथा अनवीकरणीय योग्य (खनिज, जीवाश्म ईंधन)। • स्वामित्व के आधार पर: व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय (तट से 12 समुद्री मील / 22.2 किमी तक) तथा अंतरराष्ट्रीय (200 समुद्री मील के अपवर्जक आर्थिक क्षेत्र से परे)। • विकास के स्तर के आधार पर: संभाव्य, विकसित, भंडार तथा संचित कोष।

Topic / संकल्पना	Key NCERT Facts & Explanations (English)	प्रमुख एनसीईआरटी तथ्य एवं विवरण (हिंदी)
2. Sustainable Development, Rio Summit (1992) & Agenda 21 (सतत पोषणीय विकास एवं एजेंडा 21)	• Sustainable Development: Development should take place without damaging the environment, and development in the present should not compromise with the needs of the future generations. • Rio de Janeiro Earth Summit (June 1992): More than 100 heads of states met in Brazil; signed Declaration on Global Climatic Change and Biological Diversity, endorsed Global Forest Principles, and adopted Agenda 21 (a 21-point global declaration to combat environmental damage, poverty, and disease through global cooperation). • Club of Rome (1968), Schumacher's 'Small is Beautiful' (1974), & Brundtland Commission Report (1987 — 'Our Common Future'). • Gandhiji's famous quote: <i>'There is enough for everybody's need and not for any body's greed.'</i>	• सतत पोषणीय विकास: विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए हो और वर्तमान विकास की प्रक्रिया भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न करे। • रियो डी जेनेरो पृथ्वी सम्मेलन (जून 1992): ब्राजील में 100 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया और 21वीं शताब्दी में सतत पोषणीय विकास के लिए एजेंडा 21 स्वीकृत किया। • ब्रुन्डलैंड आयोग रिपोर्ट (1987): 'हमारा साझा भविष्य' (Our Common Future)। • गांधीजी का कथन: <i>'हमारे पास हर व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ति के लिए बहुत कुछ है, लेकिन किसी के लालच की संतुष्टि के लिए नहीं।'</i>
3. Resource Planning in India & Land Degradation (भारत में संसाधन नियोजन एवं भूमि निम्नीकरण)	3 Steps of Resource Planning in India: (i) Identification and inventory of resources (surveying, mapping), (ii) Evolving a planning structure with technology, skill and institutional setup, (iii) Matching resource development plans with overall national development plans. • India's Total Geographical Area: 3.28 million sq. km (Land use data available for 93% area). Relief: 43% Plains (agriculture/industry), 30% Mountains (perennial rivers/tourism), 27% Plateaus (minerals, fossil fuels, forests). • Main Causes of Land Degradation: 1. Mining & Deforestation: Jharkhand, Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Odisha. 2. Overgrazing: Gujarat, Rajasthan, Madhya Pradesh, Maharashtra. 3. Over-irrigation (Waterlogging & Salinity/Alkalinity): Punjab, Haryana, Western Uttar Pradesh.	संसाधन नियोजन के 3 सोपान: (i) देश के विभिन्न प्रदेशों में संसाधनों की पहचान और तालिका बनाना (सर्वेक्षण, मानचित्रण), (ii) उपयुक्त प्रौद्योगिकी, कौशल और संस्थागत नियोजन ढाँचा तैयार करना, (iii) संसाधन विकास योजनाओं और राष्ट्रीय विकास योजना में समन्वय स्थापित करना। • भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल: 32.8 लाख वर्ग किमी (43% मैदान, 30% पर्वत, 27% पठार)। राष्ट्रीय वन नीति (1952) के अनुसार 33% वन क्षेत्र वांछित है। • भूमि निम्नीकरण के मुख्य कारण: 1. खनन एवं वनोन्मूलन: झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा। 2. अति पशुचारण: गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र। 3. अति सिंचाई (जलाक्रांतता, लवणता एवं क्षारीयता): पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश।

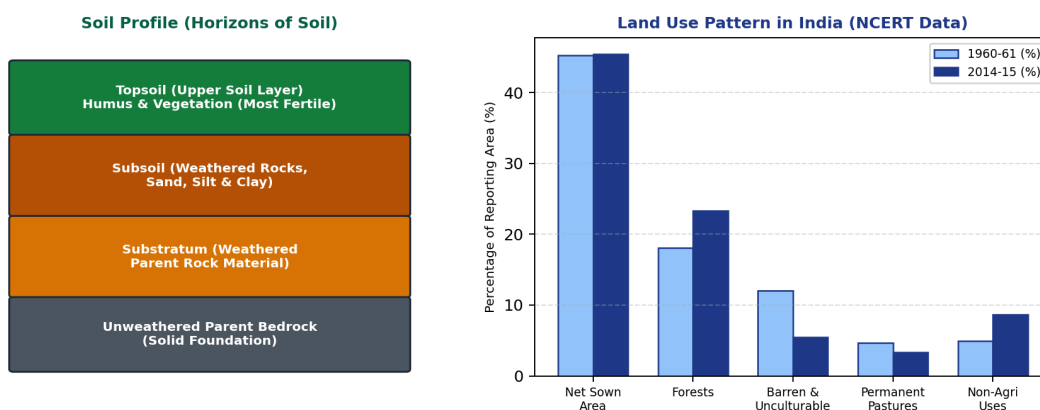


Figure 1.1: Soil Profile (Horizons of Soil) & Land Use Pattern in India (1960-61 vs 2014-15) / चित्र 1.1: मृदा परिच्छेदिका एवं भारत में भूमि उपयोग प्रारूप — TYBA Coaching Centre

1.2 Classification of Soils in India, Soil Erosion & Conservation (भारत में मृदाओं का वर्गीकरण, मृदा अपरदन एवं संरक्षण)

[EN] India has varied relief features, landforms, climatic realms, and vegetation types, which have contributed to the development of six major types of soils.

[HI] भारत में विविध उच्चावच, भू-आकृतियाँ, जलवायु और वनस्पतियाँ पाई जाती हैं, जिनके कारण भारत में छह प्रमुख प्रकार की मृदाओं का विकास हुआ है।

Soil Type (मृदा का प्रकार)	Distribution, Composition & Crops (English)	विस्तार, विशेषताएँ एवं प्रमुख फसलें (हिंदी)
1. Alluvial Soil (जलोढ़ मृदा — Most Widespread)	• Distribution: Entire Northern Plains (Indus, Ganga, Brahmaputra systems), Rajasthan/Gujarat corridor, and Eastern Coastal Deltas (Mahanadi, Godavari, Krishna, Kaveri). • Two Types by Age: (i) Bangar (Old Alluvial): Higher concentration of <i>kankar</i> nodules; (ii) Khadar (New Alluvial): Finer particles, renewed every year, more fertile than Bangar. • Nutrients & Crops: Rich in potash, phosphoric acid, and lime; ideal for sugarcane, paddy (rice), wheat, and pulses.	• विस्तार: संपूर्ण उत्तरी मैदान (सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र) तथा पूर्वी तटीय डेल्टा (महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी)। • आयु के आधार पर दो प्रकार: (i) बांगर (पुराना जलोढ़): कंकर ग्रंथियों की मात्रा अधिक; (ii) खादर (नया जलोढ़): बारीक कण एवं बांगर की तुलना में अधिक उपजाऊ। • पोषक तत्व व फसलें: पोटाश, फास्फोरस और चूना युक्त; गन्ना, चावल, गेहूँ और दलहन के लिए आदर्श।
2. Black Soil (काली मृदा / रेगुर मृदा / कपास मृदा)	• Distribution: Deccan trap (Basalt) region — Maharashtra, Saurashtra (Gujarat), Malwa (Madhya Pradesh), and Chhattisgarh. • Features: Made of extremely fine clayey material; well-known for its high capacity to hold moisture; rich in calcium carbonate, magnesium, potash, and lime (poor in phosphoric content). Develops deep cracks in hot weather for aeration. • Main Crop: Ideal for growing Cotton (Black Cotton Soil).	• विस्तार: दक्कन ट्रैप (बेसाल्ट) क्षेत्र — महाराष्ट्र, सौराष्ट्र (गुजरात), मालवा (मध्य प्रदेश) और छत्तीसगढ़। • विशेषताएँ: बहुत महीन मृत्तिका (चीका) से बनी होती है और नमी धारण करने की उच्च क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। ग्रीष्म ऋतु में इसमें गहरी दरारें पड़ जाती हैं। • मुख्य फसल: कपास (काली कपास मृदा)।

Soil Type (मृदा का प्रकार)	Distribution, Composition & Crops (English)	विस्तार, विशेषताएँ एवं प्रमुख फसलें (हिंदी)
3. Red & Yellow Soil & 4. Laterite Soil (लाल और पीली मृदा एवं लेटेराइट मृदा)	• Red & Yellow Soil: Develops on crystalline igneous rocks in low-rainfall areas of Odisha, Chhattisgarh, southern Ganga plain, and Western Ghats piedmont. Reddish due to diffusion of iron; looks yellow in hydrated form. • Laterite Soil: Derived from Latin word '<i>later</i>' (brick). Develops under tropical/subtropical climate with alternate wet and dry seasons; result of intense leaching due to heavy rain. Acidic (pH < 6.0). In Karnataka, Kerala, and Tamil Nadu, very useful for growing tea, coffee, and cashew nut (red laterite).	• लाल और पीली मृदा: रवेदार आग्नेय चट्टानों पर कम वर्षा वाले क्षेत्रों (ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिमी घाट) में विकसित। लोहे के प्रसार के कारण लाल और जलयोजित रूप में पीली दिखती है। • लेटेराइट मृदा: भारी वर्षा से अत्यधिक निक्षालन (Leaching) का परिणाम। अम्लीय (pH < 6.0)। कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में चाय, कॉफी और काजू (लाल लेटेराइट) की खेती के लिए अत्यंत उपयोगी।
5. Arid Soil, 6. Forest Soil & Soil Conservation (मरुस्थली व वन मृदा एवं मृदा संरक्षण)	• Arid Soil: Sandy texture, saline in nature, lacks humus and moisture; lower horizons occupied by Kankar (restricts infiltration); cultivable in western Rajasthan after proper irrigation. • Soil Erosion Types: Gully erosion (running water cuts deep channels — called Ravines in Chambal basin) & Sheet erosion (topsoil washed away over a large area). • Soil Conservation in Hilly/Arid Areas: (1) Contour Ploughing (ploughing along contour lines), (2) Terrace Cultivation (Western & Central Himalayas / Uttarakhand), (3) Strip Cropping (strips of grass between crops), (4) Shelter Belts (rows of trees to check wind & stabilize sand dunes).	• मरुस्थली मृदा: रेतीली और लवणीय; नीचे की सतह में चूने के कंकर की परत पाई जाती है। इंदिरा गांधी नहर से सिंचाई द्वारा पश्चिमी राजस्थान में कृषि योग्य बनी है। • मृदा अपरदन: अवनालिका अपरदन (Gully erosion — चंबल बेसिन में खड्ड/Ravines) तथा चादर अपरदन (Sheet erosion)। • पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा संरक्षण के उपाय: (1) समोच्च जुताई (Contour ploughing), (2) सीढ़ीदार / सोपानी कृषि (Terrace cultivation — उत्तराखंड), (3) पट्टी कृषि (Strip cropping), तथा (4) रक्षक मेखला (Shelter belts)।

NCERT Intext Questions & Complete Solutions

एनसीईआरटी पाठगत प्रश्न एवं संपूर्ण द्विभाषी हल

In-Chapter Box & Puzzle Questions (Pages 2, 5 & 12)

[Question - EN] 1. What did the Brundtland Commission Report (1987) introduce?

2. Why is resource planning essential in a country like India with acute regional disparities?

3. Solve the NCERT Puzzle (Page 12): (i) Natural endowments in the form of land, water, vegetation and minerals; (ii) A type of non-renewable resource; (iii) Soil with high water retaining capacity; (iv) Intensively leached soils of the monsoon climate; (v) Plantation of trees on a large scale to check soil erosion; (vi) The Great Plains of India are made up of these soils.

[प्रश्न - HI] पाठ्यपुस्तक के बॉक्स एवं पहेली प्रश्न (पृष्ठ 2, 5 एवं 12):

[Answer - EN] 1. The Brundtland Commission Report (1987) introduced the concept of '**Sustainable Development**' and published it in a book entitled '**Our Common Future**'.

2. Because India has regions rich in certain resources but deficient in others: e.g., Jharkhand, Chhattisgarh, and MP are rich in minerals and coal; Arunachal Pradesh has abundance of water but lacks infrastructure; Rajasthan is rich in solar and wind energy but lacks water; Ladakh has rich cultural heritage but is deficient in water and minerals.

3. **Puzzle Answers:** (i) **RESOURCE**, (ii) **MINERALS**, (iii) **BLACK**, (iv) **LATERITE**, (v) **AFFORESTATION**, (vi) **ALLUVIAL**.

[उत्तर - HI] 1. ब्रुन्डलैंड कमीशन रिपोर्ट (1987) ने '**सतत पोषणीय विकास**' की संकल्पना प्रस्तुत की और इसे '**हमारा साझा भविष्य (Our Common Future)**' नामक पुस्तक में प्रकाशित किया।

2. क्योंकि भारत में संसाधनों की उपलब्धता में भारी क्षेत्रीय विषमता है (जैसे—झारखंड/छत्तीसगढ़ खनिजों में धनी हैं, अरुणाचल में जल प्रचुर है पर मूल विकास की कमी है, राजस्थान में सौर व पवन ऊर्जा प्रचुर है पर जल की कमी है)।
3. **पहेली के उत्तर:** (i) **RESOURCE (संसाधन)**, (ii) **MINERALS (खनिज)**, (iii) **BLACK (काली मृदा)**, (iv) **LATERITE (लेटेराइट मृदा)**, (v) **AFFORESTATION (वनरोपण)**, (vi) **ALLUVIAL (जलोढ़ मृदा)**।

NCERT Textbook Exercises — Complete Step-by-Step Solutions

पाठ्यपुस्तक अभ्यास के सभी प्रश्नों के संपूर्ण द्विभाषी हल

Q1 (i), (ii) & (iii) — MCQs

[Question - EN] 1. Multiple choice questions:

- (i) Which one of the following is the main cause of land degradation in Punjab?
(a) Intensive cultivation (b) Deforestation (c) Over irrigation (d) Overgrazing
- (ii) In which one of the following states is terrace cultivation practised?
(a) Punjab (b) Plains of Uttar Pradesh (c) Haryana (d) Uttarakhand
- (iii) In which of the following states black soil is predominantly found?
(a) Uttar Pradesh (b) Maharashtra (c) Rajasthan (d) Jharkhand

[प्रश्न - HI] प्रश्न 1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

- (i) पंजाब में भूमि निम्नीकरण का निम्नलिखित में से मुख्य कारण क्या है?
(ii) निम्नलिखित में से किस प्रांत में सीढ़ीदार (सोपानी) खेती की जाती है?
(iii) इनमें से किस राज्य में काली मृदा मुख्य रूप से पाई जाती है?

[Answer - EN] (i) Answer: (c) Over irrigation (causes waterlogging, leading to increase in salinity and alkalinity in the soil).

(ii) Answer: (d) Uttarakhand (hilly state in the Himalayas where terrace farming checks soil erosion).

(iii) Answer: (b) Maharashtra (Deccan Trap region).

[उत्तर - HI] (i) उत्तर: (c) अधिक सिंचाई (Over irrigation) — इससे जलाक्रांतता, लवणता और क्षारीयता बढ़ जाती है।

(ii) उत्तर: (d) उत्तराखंड।

(iii) उत्तर: (b) महाराष्ट्र।

Q2 (i), (ii) & (iii) — Short Answer Questions (30 Words)

[Question - EN] 2. Answer the following questions in about 30 words:

- (i) Name three states having black soil and the crop which is mainly grown in it.
(ii) What type of soil is found in the river deltas of the eastern coast? Give three main features of this type of soil.
(iii) What steps can be taken to control soil erosion in the hilly areas?

[प्रश्न - HI] प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए:

- (i) तीन राज्यों के नाम बताएँ जहाँ काली मृदा पाई जाती है और इस पर मुख्य रूप से कौन सी फसल उगाई जाती है?
(ii) पूर्वी तट के नदी डेल्टाओं पर किस प्रकार की मृदा पाई जाती है? इस प्रकार की मृदा की तीन मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?
(iii) पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा अपरदन की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए?

[Answer - EN] Ans 2(i): Three states having black soil are **Maharashtra, Gujarat (Saurashtra), and Madhya Pradesh (Malwa)**. The crop mainly grown in it is **Cotton** (along with sugarcane and groundnut).

Ans 2(ii): Alluvial Soil is found in the river deltas of the eastern coast (Mahanadi, Godavari, Krishna, and Kaveri deltas).

Three Main Features: (1) It consists of various proportions of sand, silt, and clay; (2) It is extremely fertile and rich in potash, phosphoric acid, and lime; (3) Based on age, it is classified into *Bangar* (old alluvial) and *Khadar* (new, more fertile alluvial).

Ans 2(iii): Steps to control soil erosion in hilly areas:

- (1) **Contour Ploughing:** Ploughing along the contour lines decelerates the flow of water down the slopes.
- (2) **Terrace Cultivation:** Cutting steps on slopes restricts erosion.
- (3) **Strip Cropping & Afforestation:** Planting grass strips and trees on mountain slopes.

[उत्तर - HI] उत्तर 2(i): काली मृदा वाले तीन राज्य **महाराष्ट्र, गुजरात (सौराष्ट्र) और मध्य प्रदेश (मालवा)** हैं। इसमें मुख्य रूप से **कपास (Cotton)** की फसल उगाई जाती है।

उत्तर 2(ii): पूर्वी तट के नदी डेल्टाओं (महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी) में **जलोढ़ मृदा (Alluvial Soil)** पाई जाती है। **तीन विशेषताएँ:** (1) यह रेत, सिल्ट और मृत्तिका के विभिन्न अनुपातों से बनी होती है; (2) इसमें पोटैश, फास्फोरस और चूना पर्याप्त मात्रा में होता है; (3) आयु के आधार पर यह बांगर (पुरानी) और खादर (नई व अधिक उपजाऊ) कहलाती है।

उत्तर 2(iii): पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा अपरदन रोकने के उपाय: (1) **समोच्च जुताई (Contour Ploughing)**, (2) **सीढ़ीदार या सोपानी कृषि (Terrace Farming)**, तथा (3) **पट्टी कृषि एवं सघन वृक्षारोपण**।

Q3 (i) & (ii) — Long Answer Questions (120 Words)

[Question - EN] 3. Answer the following questions in about 120 words:

(i) Explain land use pattern in India and why has the land under forest not increased much since 1960–61?

(ii) How have technical and economic development led to more consumption of resources?

[प्रश्न - HI] प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए:

(i) भारत में भूमि उपयोग प्रारूप का वर्णन करें। वर्ष 1960–61 से वन के अंतर्गत क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई, इसका क्या कारण है?

(ii) प्रौद्योगिक और आर्थिक विकास के कारण संसाधनों का अधिक उपभोग कैसे हुआ है?

[Answer - EN] Ans 3(i): Land Use Pattern in India:

India's total geographical area is **3.28 million sq. km** (land use data is available for 93%).

- **Net Sown Area (NSA):** Accounts for about **45.5%** (over 80% in Punjab and Haryana, but under 10% in Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, and Andaman & Nicobar Islands).

- **Forest Area:** Increased from 18.11% (1960–61) to **23.3% (2014–15)**, which is still far below the desired **33%** outlined in the National Forest Policy (1952).

- **Why forest area has not increased much since 1960–61:** Rapid population growth, expansion of agriculture, diversion of forest land for non-agricultural uses (housing, roads, railways, industries), large-scale mining, and submergence of forests under multi-purpose river valley projects.

Ans 3(ii): Technical & Economic Development and Resource Consumption:

1. **Colonial Exploitation:** Higher level of technological development of colonising countries helped them exploit resources of colonies (like India) and establish supremacy.

2. **Mass Production via Modern Technology:** Advanced machinery enabled rapid extraction of minerals, groundwater, timber, and fossil fuels far beyond natural replenishment rates.

3. **Rising Income & Urbanization:** Economic development raised living standards, urbanization, and per-capita demand for automobiles, electronics, energy, and consumer goods, leading to over-consumption of resources.

[उत्तर - HI] उत्तर 3(i): भारत में भूमि उपयोग प्रारूप:

भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल **32.8 लाख वर्ग किमी** है (93% भाग के आँकड़े उपलब्ध हैं)।

- **शुद्ध बोया गया क्षेत्र (NSA):** लगभग **45.5%** है (पंजाब और हरियाणा में 80% से अधिक, जबकि अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम व मणिपुर में 10% से भी कम)।

- **वन क्षेत्र:** 1960–61 के 18.11% से बढ़कर 2014–15 में **23.3%** हुआ है, जो राष्ट्रीय वन नीति (1952) द्वारा निर्धारित **33%** की सीमा से काफी कम है।

- **वन क्षेत्र में अधिक वृद्धि न होने के कारण:** बढ़ती जनसंख्या के लिए कृषि भूमि का विस्तार, औद्योगीकरण, नगरीकरण, सड़क व रेल मार्गों का निर्माण, खनन कार्य तथा बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं के कारण वनों का जलमग्न होना।

उत्तर 3(ii): प्रौद्योगिक और आर्थिक विकास द्वारा संसाधनों का अधिक उपभोग:

1. **औपनिवेशिक शोषण:** उपनिवेशकारी देशों ने बेहतर प्रौद्योगिकी के बल पर उपनिवेशों के संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया।

2. **आधुनिक मशीनरी एवं तीव्र उत्खनन:** उन्नत तकनीक से खनिजों, भूजल और वनों का अति-दोहन सरल हो गया।

3. **उच्च जीवन-स्तर एवं उपभोक्तावाद:** आर्थिक विकास और शहरीकरण से वाहनों, बिजली और उपभोक्ता वस्तुओं की माँग में तीव्र वृद्धि हुई (गांधीजी के अनुसार 'सूक्ष्म स्तर पर उत्पादन' के स्थान पर 'बड़े पैमाने पर उत्पादन' ने संसाधनों का क्षय बढ़ाया)।

© **TYBA Coaching Centre (टी वाई बी ए कोचिंग सेंटर)** — All Rights Reserved. Complete NCERT Class 10 Social Science (SST — Geography) Bilingual Study Material • Contact / WhatsApp: **6367029449**.